**1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए :** **1 × 5 = 5**

सड़क मार्ग से हम आगे बढ़े और सरयू पुल पर ही बस्ती जिले की सीमा में प्रवेश किया। हमारा पहला पड़ाव कुशीनगर था, मगर हम कुछ देर मगहर में रुके। कबीर की निर्वाण भूमि, मगर फिरकापरस्तों ने उनकी सारी मेहनत पर पानी फेर दिया है और उन्हें मंदिर और मकबरे में बाँट दिया है। मठ के महंत ने हमारे भोजन की व्यवस्था की और आसपास के स्कूल और कॉलेज की लड़कियों से मुलाकात भी कराई। उनसे बातचीत से हमने जाना कि अब स्थितियाँ बदली हैं, लड़कियों की पढ़ाई और नौकरी पर ध्यान दिया जाता है। मगर सामाजिकता का लोप-सा होने लगा है, अब ब्याह और मरनी-हरनी में भी एका नजर नहीं आता। गीतों की बात चली तो वहाँ मौजूद पचास-साठ लड़कियों में किसी को भी लोकगीत याद नहीं थे।

वहाँ से हम कुशीनगर पहुँचे। रात घिरने लगी थी, मगर हम पंडरी गाँव के लोगों से मिले। कुशीनगर से लगभग बीस किलोमीटर होने पर भी विकास का एक कण भी यहाँ नहीं पहुँचा था। मगर यहाँ के युवा सजग हैं, वे स्वप्रयास से स्कूल भी चलाते हैं। रात को हम बौद्ध मठ में ठहरे। यह मठ किसी शानदार विश्रामगृह से कम नहीं था। सुबह हम केसरिया गाँव गए। सामाजिक और पारिवारिक विघटन के इस दौर में एकमात्र संयुक्त परिवार मिला। हमने उनसे बात की। उस परिवार की सबसे बुजुर्ग महिला के पास तीज-त्योहार, गीत-गवनई की अनुपम थाती थी, मगर उनसे सीखने वाला कोई नहीं था। नई पीढ़ी लोक से विरत थी।

**(क) लेखक मगहर में रुकने के बाद सर्वप्रथम कहाँ रुके :**

(i) बस्ती में
(ii) कुशीनगर में
(iii) कबीर की निर्वाण भूमि में
(iv) पंडरी गाँव में

**(ख) कबीर की किस मेहनत पर पानी फिर गया?**

(i) सांप्रदायिक भेदभाव से ऊपर उठाने का प्रयास
(ii) हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का प्रयास
(iii) ब्याह और मरनी में एका करने का प्रयास
(iv) कुशीनगर को बचाने का प्रयास

**(ग) कौन-सी विशेषता पंडरी गाँव के युवाओं की नहीं है :**

(i) सचेत हैं
(ii) शिक्षा के प्रति सजग हैं
(iii) विकास से वंचित हैं
(iv) खेती के लिए नए अनुसंधान करते हैं

**(घ) ''मगर सामाजिकता का लोप-सा होने लगा है,''- का भाव है :**

(i) सामाजिक सरोकारों का अभाव
(ii) मरने-जीने पर एकता दिखती है
(iii) सांस्कृतिक ज्ञान का अभाव
(iv) सौहार्दपूर्ण व्यवहार

(ङ) **गद्यांश के लिए उचित शीर्षक है :**

(i) मगहर से कुशीनगर

(ii) हमारी यात्रा हमारा देश

(iii) सरयू से बागमती तक

(iv) कबीर की अनुपम थाती